This question paper contains 8 printed pages]

आपका अनुक्रमांक ....

1043

B.Com. (H)/II D

Paper XV—Hindi (B)

(आधुनिक भारतीय भाषा : हिंदी 'ख')

(प्रवेश-वर्ष 2004 और तत्पश्चात्)

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 50

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक 'स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग' के बी. कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए मान्य हैं। नियमित विद्यार्थियों के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जायेगा।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 5

(क) चारु चंद्र की चंचल किरणें,

खेल रही हैं जल-थल में,

P.T.O.

स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है,
अवनि और अंबरतल में।
पुलक प्रकट करती है धरती,
हरित तृणों की नोकों से,
मानो झूँम रहे हों तरु भी,
मंद पवन के झोंकों से।

अथवा

(ख) "पाप शांत हो, पाप शांत हो,
कि मैं विवाहित हूँ बाले!"
पर क्या पुरुष नहीं होते हैं,
दो-दो दाराओं वाले ?
नर कृत शास्त्रों के सब बंधन,
हैं नारी को ही लेकर,
अपने लिए सभी सुविधाएँ,
पहले ही कर बैठे नर!

2. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5

राजन्! मार्मिकता से प्रजा की पुकार सुनना। युद्धयात्राएँ अब तुम्हें विजय देंगी। इस अभिषेक का यही फल है। किन्तु राजन्, विजयों का व्यवसाय न चलाना, नहीं तो उसमें घाटा भी उठाना पड़ता है। सृष्टि की उन्नति के लिए ही राष्ट्र है। बल का प्रयोग वहीं करना चाहिए जहाँ उन्नति में बाधा हो। केवल मद से बल का दुरुपयोग न होना चाहिए। तुम्हारी राजपरिषद् ने भारत के साम्राज्य का, तुम्हारी किशोरावस्था में, बड़े नियमित रूप से सुशासन किया है। यौवन और प्रभुत्व के दर्प में आकर काम न बिगाड़ बैठना।

अथवा

तुमने राजसभा में मुझे अपमानित किया था! आज फिर वही बात। ब्राह्मण! सहन की भी सीमा होती है। उस आत्मसम्मान

की प्रवृत्ति को तुम्हारे बनाए हुए द्विज महत्ता के बंधन नहीं रोक सकेंगे। मैं यादवी हूँ, अपमान का बदला षड्यन्त्र करके नहीं लूँगी। यदि मेरे पुत्र की बाहुओं में बल होगा, तो वह स्वयं प्रतिशोध ले लेगा। मैं तो अब जाती हूँ, पर मेरी बात स्मरण रखना।

3. 'जनमेजय का नागयज्ञ' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 7

अथवा

'जनमेजय का नागयज्ञ' नाटक के आधार पर मणिमाला के चरित्र को स्पष्ट कीजिए।

4. 'पंचवटी' खण्डकाव्य के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त के प्रकृति-चित्रण की विशेषताएँ बताइए। 8

अथवा

खण्डकाव्य की दृष्टि से 'पंचवटी' का मूल्यांकन कीजिए।

5. 'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

(*i*) डॉ. शान्तिकुमार के चरित्र की **दो** प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 2

अथवा

सकीना और सुखदा के चरित्र के बीच कोई **दो** अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) 'कर्मभूमि' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए इसके अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

किन्तु, कोई भी भीड़ संगठन नहीं होती। अक्सर लोग इस सम्बन्ध में धोखा खा जाते हैं। भीड़ को ही संगठन समझ

बैठते हैं। भीड़ और संगठन में अन्तर यह है कि भीड़ में प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को अकेला समझता, अनुभव करता है। अनेक व्यक्ति होते हुए भी प्रत्येक अलग-अलग हैं। सबकी कृतियाँ अलग-अलग हैं। सबके लक्ष्य और हित भी अलग हैं। उनमें से किसी को भी यह पता नहीं कि वहाँ कब, क्या हो गुजरेगा ? हो हल्ला में कोई किसी की नहीं सुनता। सभी आपस में अजनबी हैं। हलचल तो है, किन्तु अनुभूति के स्तर पर प्रत्येक अकेला है। संगठन में ऐसा नहीं रहता। अनेक होने के बाद भी संगठन में सबका मिलकर एक अस्तित्व है। लक्ष्य, दिशा और विचार एक होते हैं। इस कारण सबके हित समान समझे जाते हैं।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए।

(*ii*) इस अनुच्छेद का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(*iii*) भीड़ और संगठन के अन्तर को स्पष्ट कीजिए। 1,2,2

7. (क) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : 2

कृप्या, प्रक्रती, सन्यास, श्रृंगार, सपष्ट, आर्शीवाद।

(ख) किन्हीं **दो** वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 3

(*i*) सायंकाल के समय मुझे भ्रमण करना अच्छा लगता है।

(*ii*) नेताजी को एक फूलों की माला पहनाई गई।

(*iii*) कृपया करके मेरी पुस्तक लौटा दें।

(*iv*) एक गिलास गर्म भैंस का दूध लाओ।

8. (क) बिजली के बढ़े हुए बिल पर आपत्ति व्यक्त करते हुए बिजली-कार्यालय के प्रबन्धक के नाम एक शिकायती-पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। 5

अथवा

प्रतिवेदन किसे कहते हैं ? एक अच्छे प्रतिवेदन की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर 150 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5

(*i*) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)

(*ii*) हिंदी फिल्में और युवा-वर्ग

(*iii*) भ्रष्टाचार : विकास का शत्रु।